



पापा के दोस्त से बुर की सील तुड़वाई

“यंग गर्ल पिंग पुसी की पहली चुदाई की कहानी है यह ! मैं कॉलेज गयी तो सभी लड़कियां अपने बॉयफ्रेंड से चुदती थी. मेरा मन भी सेक्स के लिए बेचैन रहने लगा. ...”

Story By: गीता यादव (geetayadav)

Posted: Friday, April 12th, 2024

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [पापा के दोस्त से बुर की सील तुड़वाई](#)

पापा के दोस्त से बुर की सील तुड़वाई

यंग गर्ल पिक पुसी की पहली चुदाई की कहानी है यह! मैं कॉलेज गयी तो सभी लड़कियां अपने बॉयफ्रेंड से चुदती थी. मेरा मन भी सेक्स के लिए बेचैन रहने लगा.

यह कहानी सुनें.

[young-girl-pink-pussy](#)

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरी तरफ से नमस्कार।

मेरा नाम गीता यादव है और मैं अभी 23 वर्ष की हो चुकी हूं.

मेरे बदन का साइज 32- 30- 32 है जिसको देखकर किसी का भी मन मुझे चोदने को कर जाए।

अन्तर्वासना पर मैं 2013 से सेक्स की कहानी पढ़ कर मजा ले रही हूं और आज मैं हिम्मत करके अपनी सेक्सी स्टोरी आप सभी के सामने लिख रही हूं।

यंग गर्ल पिक पुसी की पहली चुदाई की कहानी आज से 4 वर्ष पहले 2019 की है जब मेरे पापा ड्यूटी पहली बार हमारे शहर मथुरा में हुई थी.

पापा घर से ही ड्यूटी आते जाते थे.

मैं भी कई बार उनके कैम्पस में उनके साथ गई हूं.

मुझे देखकर वहां बहुत से लोगों का मन मुझे चोदने को करता था।

मैंने कॉलेज में जाना शुरू कर दिया था और मेरी सहेलियों के सभी के बॉयफ्रेंड थे. एक बस

मेरे ही पास बॉयफ्रेंड नहीं था.

सभी अपनी बॉयफ्रेंड के साथ चुदाई की कहानी मुझे सुना सुना कर चिढ़ाती थी जिससे मेरा मन भी चुदाई करने को करता था.

पर मैं डरती थी कि कोई मुझे धोखा ना दे दे।

रात में पापा के सो जाने के बाद मैं कई बार उनका फोन चलाया करती थी।

एक रात को जब मैं पापा के फोन में वीडियो देख रही थी.

उसी समय फेसबुक पर एक लड़के का मैसेज आया जो पापा के साथ फौज में नौकरी करता था।

मैंने बिना कुछ समझ उनका मैसेज खोल लिया.

उन्होंने लिखा था- क्या बात है सर, अभी तक सोए नहीं हो ?

मैंने लिख कर भेजा- नींद नहीं आ रही है.

फिर मैंने उसकी प्रोफाइल चेक की जिसमें उसकी तस्वीर देखकर में बहुत ही खुश हुई क्योंकि वह बहुत ही सुंदर है और उसकी हाइट 6 फीट है।

अब मेरे मन में उसके साथ चुदाई की तस्वीर दिमाग में घूमने लगी और मैंने पापा की कांटेक्ट लिस्ट से उनके नंबर चेक कर लिए और मैं रात को सो गई।

दूसरे दिन दोपहर के वक्त घर के लैंड लाइन से मैंने उनके पास फोन किया.

उन्होंने फोन उठाया और बोले- आपके पापा यहां नहीं हैं.

तब मैंने उनको बोला- मुझे आपसे ही बात करनी है!

यह सुनकर वे एकदम गुस्से में आए और बोले- मेरे से क्या बात करनी है ?

एकदम से बिना झिझके मैंने बोल दिया- मुझे आप पसंद हो !
तब उन्होंने बोला- तुमने मुझे कभी देखा भी नहीं है.
मैंने कहा- मैंने आपके तस्वीर देखी है.

उसने बोला- मैं शादीशुदा हूं।
और मुझे धमका कर उन्होंने फोन काट दिया।

उसके बाद एक-दो दिन मैंने उनको कोई कॉल नहीं किया.

फिर एक दिन हिम्मत करके मैंने उनको फोन किया तो उन्होंने मुझे फिर धमका कर फोन काट दिया.

कुछ दिन तक ऐसे ही चलता रहा.

मैं उनको फोन करती, वे मुझे धमका कर बोलते- नहीं ऐसा नहीं हो सकता. आपके पापा मेरे साथ नौकरी करते हैं. और मैं उनको धोखा नहीं दे सकता।

वे बार-बार मुझे मना करते रहे परंतु मैंने उनकी एक भी नहीं सुनी क्योंकि मेरे ऊपर तो चुदाई का भूत सवार था।

आखिरकार एक दिन मैंने उनको फोन किया और बोली- या तो तुम मेरे साथ सेक्स कर लो.
वरना मैं किसी और के साथ सेक्स कर लूंगी और अपनी कुंवारी बुर की चुदाई कर लूंगी।
वे बोले- मैं शादीशुदा हूं!

इस पर मैंने उन्हें बोला- मुझे कोई आपत्ति नहीं है. आप अपनी पत्नी से प्यार करते रहना.
मेरे से भी कर लेना।

आखिर में मेरे उभरते यौवन के सामने उन्हें हार माननी पड़ी और हम दोनों की बातें शुरू हो गईं।

हम दोनों रात भर सेक्सी बातें करते एक दूसरे को वीडियो काल पर नंगे होकर फोन सेक्स करते।

मैं उन्हें अपनी पिक पुसी की फाकें खोल कर दिखाती. वे मुझे अपने लंड की फोरस्किन हटाकर अपना नंगा सुपारा दिखाते.

फिर एक दिन अचानक दोपहर में उनका फोन आया और बोले- कि आज हम मिल सकते हैं क्या ?

मैं तो उनसे मिलने के लिए कब से उत्साहित थी ... मैंने हां भर दी.

उन्होंने बोला- 12 बजे मैं आपके घर के पास से आपको पिक कर लूंगा।

फोन रखते ही मैं जल्दी से हेयर रिमूवर क्रीम लेकर बाथरूम में गई और अपने कांख के और चूत के बालों को साफ कर लिया जो अभी भूरे रंग के ही थे।

बाल साफ करने के बाद मैंने नंगी ही शीशे के सामने जाकर अपनी पिक पुसी और अपने बूब्स को गौर से देखा।

तब जल्दी से मैंने लाल रंग की ब्रा और उसी की मैचिंग पैंटी पहन ली.

फिर एक जींस और टॉप के अंदर अपने उभरते यौवन को समेट लिया.

तैयार होने पर मैं एकदम से पटाखा माल लग रही थी.

जब मैं घर से निकली तो पास पड़ोस के लोग मुझे देख अपने लन्ड को हाथ से दबा रहे थे. जिसे मैंने नजर अंदाज कर दिया।

बाजार में जाकर मैंने उसको फोन किया तो वह सामने से मुझे आता नजर आया.

उनके रुकते ही मैं जल्दी से उनकी बाइक पर बैठ गई और हम दोनों वहां से निकल गए.

वे मुझे अपने किसी दोस्त के कमरे पर लेकर गए।

जैसे ही मैं उस कमरे के अंदर हुई, उन्होंने जल्दी से दरवाजे को अंदर से बंद किया और मुझे पकड़ कर किस करने लगे।

हम वहीं दरवाजे के पास खड़े-खड़े ही बहुत देर तक एक दूसरे के होठों को चूसते रहे जिससे मेरी चूत के अंदर से गीला गीला महसूस होने लगा।

फिर वे मुझे अपनी गोद में उठाकर बेड के ऊपर ले गये और मेरे ऊपर आकर बुरी तरीके से टूट पड़े।

और पता ही नहीं चला कि कब हम दोनों के कपड़े उतर गए और हम दोनों नंगे एक दूसरे की बाहों में थे.

वे मेरे बदन को अपने होठों से चूसने लगे.

उन्होंने मेरे पूरे बदन पर अपनी जीभ फिराई जिससे मैं बुरी तरीके से चुदाई करवाने के लिए पागल हो गई।

फिर मैंने उनके बालों को पकड़ कर उनके मुंह में अपना एक निप्पल दे दिया जिसे वे बुरे तरीके से चूसने लगे.

और वे मेरे दूसरे मम्मे को भींच भींच कर मजा लेने लग गये.

मैं सिसकारी लेती रही।

दोनों स्तनों को बारी-बारी से चूसने के बाद वे अपना मुंह मेरी कुंवारी गुलाबी चूत के ऊपर ले आये और उसको चाटने लगे जो पहले से ही बुरी तरीके से गीली हो चुकी थी.

उनके कुछ देर चाटने के बाद ही मैं झड़ गई और उन्होंने मेरा पूरा रस अपने जीभ से चाट कर पी लिया।

फिर उन्होंने अपने लन्ड को मेरे मुंह के पास किया और चूसने का इशारा किया.
पर मैंने उन्हें मना कर दिया क्योंकि मैंने कभी लन्ड को चूसा नहीं था.

वे बोले- कोई बात नहीं जान ... आप चूसो ! पहली बार ऐसा लगता है, बाद में मजा आता है.

उनके कहने से मैं धीरे-धीरे उसके लन्ड पर जीभ फिराने लगी और उससे निकलने वाले हल्के हल्के नमकीन पानी को चाट कर मुझे मजा आने लगा.

मैं उनके लन्ड को लॉलीपॉप की तरह चूसने लगी और कुछ ही क्षणों के बाद उनके मुंह से आह आह निकलने लगी.

उन्होंने मेरे सर को पकड़ लिया और तीन-चार झटकों में अपना पूरा माल मेरे मुंह के अंदर ही छोड़ दिया जिसे मैंने पूरा पी लिया और उनके लन्ड को चाट कर साफ कर दिया ।

कुछ देर तक हम दोनों एक दूसरे को बाहों में भर के चुम्मा चाटी करते रहे ।

थोड़ी देर बाद उनका लन्ड फिर से धीरे-धीरे अंगड़ाई लेते हुए खड़ा हो गया ।

उन्होंने मुझे बेड के किनारे पर कर दिया, मेरी गांड के नीचे तकिया लगा दिया और अपने लन्ड को मेरी गुलाबी चूत के ऊपर रख कर दबाव देने लगे.

परंतु चूत टाइट होने के कारण लन्ड बार-बार फिसल रहा था ।

कमरे में इधर-उधर देखने पर ड्रेसिंग के ऊपर एक क्रीम दिखाई दी.

उन्होंने उसे अपने लन्ड पर लगा लिया और कुछ क्रीम मेरी चूत पर लगा दी और लन्ड को चूत के ऊपर लगाकर धीरे-धीरे अंदर घुसाना शुरू कर दिया ।

उनका लन्ड मेरी कुंवारी चूत को चीरता हुआ धीरे-धीरे अंदर जा रहा था.

मैं चिल्लाने लगी तो उन्होंने मेरे मुंह के ऊपर अपने होंठ रख दिए जिससे मेरी आवाज बाहर ना जा सके।

तीन झटकों के अंदर उनका पूरा लन्ड मेरी चूत के अंदर फंस चुका था।

मैं दर्द से कराह रही थी, मेरी आंखों में आंसू निकल रहे थे.

जिसके कारण वे कुछ देर तक मेरे बूब्स को चूसने लगे.

कुछ देर के बाद जब मैं शांत हो गई तो उन्होंने अपने लन्ड को एक झटके से निकालकर वापस झटके से अंदर कर दिया जिससे मेरी जान निकलते निकलते बची।

उन्होंने मेरे दर्द की बिना परवाह किए धीरे-धीरे लन्ड को अंदर बाहर करना शुरू कर दिया.

कुछ देर के बाद मेरा दर्द मजे में बदल गया और मैं अपनी गांड को उठा उठा के अपनी चूत में लन्ड ले रही थी।

मैंने सुना ही था कि चुदाई में बहुत मजा आता है.

आज मैं उस मजे को ले रही थी और ऐसा महसूस कर रही थी जैसे कि मैं आसमान के ऊपर उड़ रही हूं।

वे मेरी चुदाई करते हुए कभी मेरे बूब्स को दबाते, कभी मेरे बूब्स को चूसते.
कभी वे मेरे होठों पर किस करते.

मैं 'आई ईईई ईईईई ... सीसी सी सी सीईई ईई ईईई ईई सीई' कर रही थी.

10-15 मिनट की इस धुआंधार चुदाई के बाद हम दोनों एक साथ झड़ गए.

इस चुदाई में मैं दो बार पहले झड़ चुकी थी.

उन्होंने अपना सारा वीर्य मेरी चूत के अंदर छोड़ दिया।

चुदाई के बाद मैंने देखा कि मेरी गांड के नीचे जो तकिया लगाया था, वह खून से सना हुआ था.

मैं यह देखकर घबरा गई.

मेरी पिक पुसी पर भी खून लगा हुआ था.

तो उन्होंने बोला- पहली बार जब कुंवारी चूत की सील टूटती है तो सभी के साथ ऐसा होता है।

फिर हम दोनों बेड के ऊपर एक दूसरे को बाहों में भर के लेट गए.

तभी दरवाजा खड़कने की आवाज आई.

हम दोनों ने जल्दी से कपड़े पहने और उन्होंने तकिया का कवर निकाल कर उसे अपनी जेब में डाल लिया और फिर उन्होंने दरवाजा खोला।

उन्होंने देखा कि दरवाजे पर उनका वही दोस्त खड़ा था जिसका वह कमरा था.

वह उनको बोलने लगा- मुझे उस लड़की को देखना है!

तब उन्होंने मना किया.

तो वह बोला- मैं तुम दोनों को जाने नहीं दूंगा यहां से!

तब उन्होंने एक बार मेरी शक्ल उसको दिखाई.

वह मुझे पहचान गया और वह उनको बोला- तू अपने साथ वाले की लड़की के साथ ऐसा कैसे कर सकता है ?

बहुत ही मुश्किल के बाद उसने हम दोनों को घर से बाहर जाने दिया ।

मुझे उन्होंने बाद में बताया कि उन दोनों के बीच एक समझौता हुआ है. इसके बाद उसने हम दोनों को बाहर निकलने दिया.

आगे की कहानी मैं फिर कभी बताऊंगी कि उस दोस्त ने उनके साथ क्या समझौता किया था ।

कहानी में कोई गलती हो तो मुझे क्षमा करना क्योंकि यह मेरी पहली कहानी है.

यंग गर्ल पिक पुसी की पहली चुदाई की कहानी पर कोई भी सुझाव हो तो मुझे मेरी मेल आईडी geetayadave@yahoo.com पर लिखें.

आपके मेल का जवाब दूँगी ।

आप लोगों के सुझाव के बाद ही मैं आगे की कहानी आप लोगों के सामने लाऊंगी.

Other stories you may be interested in

असामान्य यौन इच्छाओं वाली लड़की- 2

निम्फोमेनियाक होना बेन है या बून यानि वरदान है या अभिशाप ? ऐसी ही एक लड़की को हर रात 3-4 बार चुदाई की जरूरत होती थी. उसने अपने जेठ से भी चुदावा लिया. कहानी के पहले भाग गर्म लड़की की सुहागरात [...]

[Full Story >>>](#)

ऑफिस एचआर को कैम गर्ल के सामने पेला

कैम गर्ल सेक्स स्टोरी में मैंने अपनी एचआर मैनेजर लड़की को डेल्ही सेक्स चैट वाली लड़की के सामने चोदा. वह मुझसे एक बार पहले भी चुदाई करवा चुकी थी। दोस्तो, मैं सलमान अपनी सेक्स स्टोरी ऑफिस में एचआर की चूत [...]

[Full Story >>>](#)

असामान्य यौन इच्छाओं वाली लड़की- 1

ओवर सेक्स निम्फो गर्ल को शुरू से ही सेक्स में रूचि थी. वह खुद से पाने शरीर से मजा लेती. उसने अपनी सहेली के साथ लेस्बो भी किया. पर उसकी चूत की सील उसके पति ने ही तोड़ी. मुझे श्रीमती [...]

[Full Story >>>](#)

चुदाई भरी एक अनोखी ट्रेन यात्रा

Xxx ट्रेन चुदाई कहानी में मेरा दो दिन का सफर था कन्याकुमारी तक. इस दौरान मुझे मेरे कूपे में मेरी 3 अलग अलग सहयात्री लड़कियां आई. उन लड़कियों से मेरे सम्बन्ध कैसे रहे ? सभी लंड के स्वामी और चूत की [...]

[Full Story >>>](#)

बस में चुदाई सुख प्राप्त किया अनजान लड़के से

सेक्स इन बस पोर्न स्टोरी में मैं स्लीपर बस में सफर कर रही थी. मेरे केबिन में एक कड़ियल सा लड़का आया. मेरा मन उससे चुदने का करने लगा. पर पहल उसी ने कर दी. यह कहानी सुनें. नमस्ते दोस्तो, [...]

[Full Story >>>](#)

